हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड

पाठ्यक्रम और अंकों का अध्यायवार विभाजन (2024-25)

कक्षा- 10वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोडः 089

सामान्य निर्देश:

1. संपूर्ण पाठ्यक्रम के आधार पर एक वार्षिक परीक्षा होगी।
2. वार्षिक परीक्षा 20 अंकों की होगी, प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों की होगी और आंतरिक मूल्यांकन 20 अंकों का होगा।
3. प्रायोगिक/क्रियात्मक परीक्षा 60 अंकों के लिए निम्न प्रकार से प्रश्न पूछे जायेंगे -
   i) 20 अंकों की प्रायोगिक/क्रियात्मक पुस्तिका।
   ii) किसी एक राग के शास्त्रीय परिचय के 10 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iii) किसी एक ताल का शास्त्रीय परिचय के 05 अंकों की मौखिक परीक्षा।
   iv) किसी एक राग और किसी एक ताल का प्रायोगिक/क्रियात्मक ज्ञान के 20 अंक।
   v) वैष्णव जन को पीर पराई की धुन अथवा ओम जय जगदीश (आरती) की धुन और राष्ट्रीय गीत की धुन की मौखिक परीक्षा के 05 अंक।
4. आंतरिक मूल्यांकन के लिए निम्नानुसार आवधिक मूल्यांकन होगा:

i) 4 अंकों के लिए - दो SAT परीक्षा आयोजित की जायेगी जिनका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 04 अंकों का भारांक होगा।

ii) 2 अंकों के लिए एक अर्ध-वार्षिक परीक्षा आयोजित की जायेगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अंकों का भारांक होगा।

iii) दो अकों के लिए प्री-बोर्ड परीक्षा आयोजित की जाएगी जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 02 अकों का भारांक होगा।

iv) 02 अंकों के लिए विषय शिक्षक CRP (कक्षा कक्ष की भागीदारी) के लिए मूल्यांकन करेंगे और अधिकतम 02 अंक देंगे।

v) 05 अंकों के लिए छात्रों द्वारा एक परियोजना कार्य किया जायेगा जिसका अंतिम आंतरिक मूल्यांकन के लिए 05 अंकों का भारांक होगा।

vi) 05 अंकों के लिए विद्यार्थी की उपस्थिति के निम्नानुसार 05 अंक प्रदान किए जायेंगे।

75% से 80% तक - 01 अंक

80% से अधिक से 85% तक - 02 अंक

85% से अधिक से 90% तक - 03 अंक

90% से अधिक से 95% तक - 04 अंक

95% से अधिक से 100% तक - 05 अंक

पाठ्यक्रम सरंचना (2024-25)

कक्षा- 10वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोडः 089

क्रम संख्या	अध्याय	अंक
1	विद्यार्थी द्वारा चयनित वाद्य यंत्र का चित्र सहित वर्णन	03
2	संगीत संबंधी परिभाषाएं	05
3	संगीतज्ञ के जीवन परिचय एवं संगीत के ग्रंथ:	04
4	उत्तरी भारतीय संगीत	02
5	रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान	06
कुल अंक		20
क्रियात्मक परीक्षा अंक		60
आंतरिक मूल्याकन अंक		20
कुल योग		**100**

अध्याय: 1 विद्यार्थी द्वारा चयनित वाद्य यंत्र का चित्र सहित वर्णन

- **किसी एक वाद्य का चित्र सहित वर्णन** (सितार,सरोद,वायलिन, दिलरूबा/इसराज,बांसुरी,मेडोलिन,गिटार,सारंगी)

अध्याय: 2 संगीत संबंधी परिभाषाएँ

1. **शुद्ध, छायालग और सर्कीण राग की परिभाषा**

   ☐ शुद्ध, छायालग और सर्कीण रागों का वर्गीकरण बारे परिभाषा।

2. **गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा**

   ☐ गीत,लक्षण गीत,सरगम गीत की परिभाषा।

3. **ताल की परिभाषा**

   ☐ विभिन्न परिभाषाएं - ताली, खाली, सम, मात्रा, बोल, विभाग, आवर्तन।

   ☐ एक ताल, चौताल व रूपक ताल का (एक गुण और दो गुण लिपिबद्ध सहित)

अध्याय: 3 संगीतज्ञ के जीवन परिचय एवं संगीत के ग्रंथ:

1. **पं0 शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय**

   ☐ पं0 शिव कुमार शर्मा का संगीत जगत् में महत्त्वपूर्ण योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें।

   ☐ हरि प्रसाद चौरसिया का संगीत के क्षेत्र में योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें।

2. **संगीत ग्रंथ -**

   ☐ नाट्यशास्त्र ग्रन्थ (भरतमुनि) का विश्लेषणात्मक अध्ययन

अध्याय: 4 उत्तरी भारतीय संगीत -

- ☐ **उत्तरी भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति व इसका महत्त्व**

अध्याय: 5 रागों का सैद्धान्तिक ज्ञान

1. **राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज का शास्त्रीय परिचय**
   - ☐ थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर, गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर
2. **राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज के रजाखानी गत स्वरलिपि पद्धति (दो तोडे सहित)।**

प्रायोगात्मक/क्रियात्मक :

अध्याय: 6 रागों व तालों का क्रियात्मक ज्ञान

1. **राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज का शास्त्रीय परिचय**
   - ☐ थाट, जाति, स्वर, न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर, गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर, पकड़ के स्वर
2. **राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज के छोटा ख्याल -**
   - ☐ राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज रजाखानी गत की स्वरलिपि **(दो तोडे सहित)**
3. **ताल -**
   - ☐ एक ताल, चौताल व रूपक ताल का (एक गुण हाथ पर) चौताल

अध्याय: 7 वैष्णव जन को पीर पराई की धुन, अथवा ओम जय जगदीश (आरती) की धुन -

- ☐ क्रियात्मक ज्ञान

अध्याय: 8 सितार पर राष्ट्रीय गान -

- ☐ क्रियात्मक ज्ञान

मासिक पाठ्यक्रम शिक्षण योजना (2024-25)

कक्षा- 10वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोडः 089

मास	विषय -वस्तु	शिक्षण कालांश	दोहराई कालांश	प्रयोगात्मक कार्य
अप्रैल	**अध्याय:2 संगीत संबंधी परिभाषाएँ** **1.शुद्ध,छायालग और सर्कीण राग की परिभाषा-** ☐ शुद्ध, छायालग और सर्कीण रागों का वर्गीकरण बारे परिभाषा। **2.गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा** ☐ गीत, लक्षण गीत, सरगम गीत की परिभाषा। **3.ताल की परिभाषा** ☐ विभिन्न परिभाषाएं - ताली, खाली,सम,मात्रा,बोल,विभाग, आवर्तन। ☐ एक ताल,चौताल व रूपक ताल का (एक गुण और दो गुण लिपिबद्ध सहित)	08	04	06

मई	**अध्याय:1 विद्यार्थी द्वारा चयनित वाद्य यंत्र का चित्र सहित वर्णन** ▪ **किसी एक वाद्य का चित्र सहित वर्णन** (सितार, सरोद, वायलिन, दिलरूबा/इसराज, बांसुरी, मेडोलिन, गिटार, सारंगी) **अध्याय: 4 उत्तरी भारतीय संगीत -** ☐ उत्तरी भारतीय संगीत स्वरलिपि पद्धति व इसका महत्त्व -	**08**	**02**	**08**
जून	(गतिविधि आवंटित की जाए)			
जुलाई	**(दोहराई)**	06	02	08
अगस्त	**अध्याय:7 वैष्णव जन को पीर पराई की धुन, अथवा ओम जय जगदीश (आरती) की धुन --** ☐ क्रियात्मक ज्ञान **अध्याय: 5 व 6 रागों का सैधान्तिक व क्रियात्मक ज्ञान** 1.राग भीमप्लासी, वृंदावनी सारंग और राग खमाज का शास्त्रीय परिचय -	**04**	**04**	**08**

	☐ थाट,जाति,स्वर,न्यास के स्वर, वादी-संवादी स्वर,गायन समय, आरोह-अवरोह के स्वर,पकड़ के स्वर **2. राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज रजाखानी गत –** ☐ राग भीमप्लासी, वृदांवनी सारंग और राग खमाज के रजाखानी गत की स्वरलिपि **(दो तोडे सहित)**			
सितंबर	**अर्ध-वार्षिक परीक्षा के लिए दोहराई** **अर्ध-वार्षिक परीक्षा।**			
अक्तूबर	**अध्याय: 3 संगीतज्ञ के जीवन परिचय:** **1. पं0 शिव कुमार शर्मा और हरि प्रसाद चौरसिया का जीवन परिचय** पं0 शिव कुमार शर्मा का संगीत जगत् में महत्त्वपूर्ण योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें। ☐ हरि प्रसाद चौरसिया का संगीत के क्षेत्र में योगदान पर सम्पूर्ण प्रकाश डालें।	08	02	**04**

नवंबर	**अध्याय: 6 तालों का क्रियात्मक ज्ञान-** ☐ एक ताल,चौताल व रूपक ताल का (एक गुण हाथ पर)	08	02	**08**
दिसंबर	**अध्याय: 8 सितार पर राष्ट्रीय गान -** ☐ क्रियात्मक ज्ञान	04	02	**08**
जनवरी	**अध्याय: 3 संगीत के ग्रंथ:** ☐ नाट्यशास्त्र ग्रन्थ (भरतमुनि) का विश्लेषणात्मक अध्ययन	08	02	
फ़रवरी	**(दोहराई)** **वार्षिक क्रियात्मक परीक्षा**		**12**	
मार्च	**वार्षिक परीक्षा**			

नोट:

विषय शिक्षकों को सलाह दी जाती है कि वे छात्रों को शब्दावली या अवधारणा की स्पष्टता को बढ़ाने के लिए अध्यायों में उपयोग की जाने वाली शब्दावली /परिभाषात्मक शब्दों की नोटबुक तैयार करने के लिए निर्देशित करें।

प्रश्न पत्र प्रारूप (2024-25)

कक्षा- 10वीं विषय: हिंदुस्तानी संगीत (वादन) MHI कोडः 089

समय: 2½ **घंटे**

प्रश्न का प्रकार	अंक	संख्या	विवरण	कुल अंक
वस्तुनिष्ठ प्रश्न	**1**	**05**	02 बहु-विकल्पीय प्रश्न। 01 रिक्त स्थान भरो प्रश्न। 01 अभिकथन-कारण प्रश्न 01 एक शब्दीय उत्तर के प्रश्न।	**05**
अति लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**2**	**02**	दोनों प्रश्नो में एक- एक प्रश्न का आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	**04**
लघुउत्तरात्मक प्रश्न	**3**	**02**	दोनों प्रश्नो में एक- एक प्रश्न का आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	**06**
दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न	**5**	**01**	एक प्रश्न का आंतरिक विकल्प दिया जायेगा।	**05**
कुल		**10**		**20**

BOARD OF SCHOOL EDUCATION HARYANA

Syllabus and Chapter wise division of Marks (2024-25)

Class-10th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) MHI

Code: 089

General Instructions:

1. There will be an annual examination based on the entire syllabus.
2. The annual examination will be of 20 marks, practical examination will be of 60 marks and internal assessment will be of 20 marks.
3. Practical test for 60 marks questions will be asked in the following way -

(i) Practical/Activity Booklet for 20 marks.

(ii) Oral test of 10 marks on classical introduction to any one raga.

(iii) Oral test of 05 marks for classical introduction to any one Taal.

(iv) 20 marks for practical knowledge of any one raga and any one taal.

(v) 05 marks in oral examination to the tune of Vaishnav Jan Ko Pir Parai's tune or Om Jai Jagdish Aarti's tune and National Song.

4. For Internal Assessment:

There will be Periodic Assessment that would include:

i) For 4 marks- Two SAT exams will be conducted and will have a weightage of 04 marks towards the final Internal Assessment.

ii) For 2 marks- One half yearly exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iii) For 2 marks- One Pre-Board exam will be conducted and will have a weightage of 02 marks towards the final Internal Assessment.

iv) For 2 marks- Subject teacher will assess and give maximum 02 marks for CRP (Classroom participation).

v) For 5 marks- A project work to be done by students and will have a weightage of 05 marks towards the final Internal Assessment.

vi) For 5 marks- Attendance of student will be awarded 05 marks as:

75% to 80% - 01 marks
Above 80% to 85% - 02 marks
Above 85% to 90% - 03 marks
Above 90% to 95% - 04 marks
Above 95% to 100% - 05 marks

Course Structure (2024-25)

Class-10th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) MHI

Code: 089

Sr. No.	Chapter	Marks
1	Description of the musical instrument selected by the student with picture	03
2	Definitions of Music	05
3	Biography of Musician and Books of Music:	04
4	North Indian Music -	02
5	Theoretical Knowledge of Ragas	06
Total		20
Practical Examination		60
Internal Assessment		20
Grand Total		100

Chapter: 1 Description of the musical instrument selected by the student with picture

- Description of any one instrument with picture (Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Mandolin, Guitar, Sarangi)

Chapter: 2: Definitions of Music

1. Definition of Shuddha, Chhayalag and Sankiran Ragas

- Definition about classification of Shuddha, Chhayalag and Sankiran ragas.

2. Definition of Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet

- Definition of Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet.

3. Definition of Rhythm

- Various definitions – clap (Taali), blank (Khaali), even (Sam), quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation (Aavatan).
- Ek Taal, Chotal and Rupak Taal (one guna and two guna scripted)

Chapter 3: Biography of Musician and Books of Music:

1. Biography of Pandit Shiv Kumar Sharma and Hari Prasad Chairasia

- Throw full light on the important contribution of Pandit Shiv Kumar Sharma in the world of music.
- Throw full light on the contribution of Hari Prasad Chairasia in the field of music.

2. Music book -

- Analytical study of Natyashastra book (Bharatmuni)

Chapter: 4 North Indian Music -

- North Indian music vocal system and its importance

Chapter: 5 Theoretical Knowledge of Ragas

1. **Classical introduction to Raag Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raag Khamaj -**

   - Thaat, Jati, Swar, Nyas Swar, plaintive-conversational (Vaadi-Samwadi) swar, singing time, Aroh-Avroh Awar, hold (Pakad)swar

2. **Rajakhani gat/Swarlipi method (with two Tode) of Raga Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raga Khamaj.**

Practical work :

Chapter: 6 Functional knowledge of ragas and talas

1. **Classical introduction to Raag Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raag Khamaj -**

   - Thaat, Jati, Swar, Nyas Swar, plaintive-conversational (Vaadi-Samwadi) swar, singing time, Aroh-Avroh Awar, hold (Pakad)swar

2. **Chhota Khayal of Raag Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raag Khamaj -**

   - With notation (two Aalap and two Taan) of **Rajakhani gat** of Raag Bhimplasi, Vridavani Sarang and Rajakhani gat of Raag Khamaj.

3. **Tal -**

   - Ek Taal, Chotaal and Rupak Taal (one quality on hand)

Chapter: 7 Dhun of Pir Parai to Vaishnav Jan, or Dhun of Om Jai Jagdish (Aarti) -

- Functional knowledge (Practical Knowledge)

Chapter: 8 National Anthem on Sitar -

- Functional knowledge (Practical Knowledge)

Month wise Syllabus Teaching Plan (2024-25)

Class-10th Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) MHI

Code: 089

Month	Subject- content	Teaching Periods	Revision Periods	Practical Work
April	**Chapter: 2: Definitions of Music** 1. Definition of Shuddha, Chhayalag and Sankiran Raga- □ Definition about classification of Shuddha, Chhayalag and Sankiran ragas. 2. Definition of Geet, Lakshan Geet, Sargam Geet □ 3. Definition of Rhythm □ Various definitions - clap (Taali) , blank (Khaali), even (Sam) , quantity (Matrayen), bol, division (Vibhag), rotation. □ Ek Taal, Chotal and Rupak Taal (one guna and two guna scripted)	08	04	06
May	**Chapter:1 Description of the musical instrument selected by the student with picture** **□ Description of any one instrument with picture**	**08**	**02**	**08**

	(Sitar, Sarod, Violin, Dilruba/Israj, Flute, Mandolin, Guitar, Sarangi) **Chapter: 4 North Indian Music -** □ North Indian music vocal system and its importance -			
June	Activity to be assigned			
July	(Revision)	06	02	08
August	**Chapter: 7 Dhun of Pir Parai to Vaishnav Jan, or Dhun of Om Jai Jagdish (Aarti) -** □Functional knowledge (Practical Knowledge) **Chapter: 5 and 6 Theoretical and practical knowledge of ragas** □ Thaat, Jati, Swar, Nyas Swar, plaintive-conversational (vaadi-Samvaadi)swar, singing time, aroh-avroh swar, hold swar **2. Rajakhani gat of Raag Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raag Khamaj -**	**04**	**04**	**08**

	□ Notation of rajakhani gat of Raga Bhimplasi, Vridavani Sarang and Raga Khamaj (with two tode)			
September	**Revision**		**12**	
October	**Chapter 3: Biography of Musician:** 1. Biography of Shiv kumar and Hariparsad chorasiya ▪ Throw full light on the important contribution of Shiv kumar in the world of music. ▪ Throw full light on the contribution of Hariparsad chorasiya in the field of music.	08	02	**04**
November	**Chapter: 6 Functional Knowledge of Talas-** □ Ek Taal, Chotaal and Rupak Taal (one quality on hand)	08	02	**08**
December	**Chapter: 8 National Anthem on Sitar -** ▪ Functional knowledge (Practical Knowledge)	04	02	**08**

January	**Chapter: 3 Texts of Music:** □ Analytical study of Natyashastra book (Bharatmuni)	08	02	
February	**(Revision)** Annual Practical Examination		**12**	
March	Annual Examination			

Note:

Subject teachers are advised to direct the students to prepare notebook of the Terminology/Definitional Words used in the chapters for enhancement of vocabulary or clarity of the concept.

Question Paper Design (2024-25)

Class-10th **Subject: Hindustani Music Instrument (Melodic) MHI**

Code: 089 **Time: 2½ Hours**

Type of Question	Marks	Number	Description	Total Marks
Objective type questions	**1**	**05**	02 Multiple choice questions. 01 Fill in the blanks Questions. 01 Assertion Reason Questions 01 One word answer type questions.	**05**
Very short answer type questions	**2**	**02**	Internal choice will be given in all questions.	**04**
Short answer questions	**3**	**02**	Internal choice will be given in all questions.	**06**
Long answerable Question	**5**	**01**	Internal choice will be given in all questions.	**05**
	Total	**10**		**20**